11 JAN 2019 हिन्दुस्तान

240 बच्चों को पढ़ाने के लिए एक टीचर

लाजपत नगर के सरकारी प्राइमरी स्कूल में कबाड़ में पड़े हैं कम्प्यूटर कक्षाओं से गायब हैं शिक्षक • हिन्दुस्तान

शर्मनाक

लखनऊ | अनुज सिंह

राजधानी के लाजपत नगर इलाके का सरकारी प्राइमरी स्कूल। इस क्षेत्र करीब 488 बच्चे स्कूल में पढ़ने आते हैं। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए सिर्फ दो शिक्षक उपलब्ध हैं। जो, तीन शिक्षामित्रों के सहारे जैसे तैसे स्कूल चली रही हैं।

हैरानी की बात है कि इतनी बड़ी छात्रसंख्या होने के बावजूद शिक्षा विभाग आज तक यहां आवश्यकता के अनुरूप शिक्षक नहीं उपलब्ध करा पाया है। जबकि, नगरक्षेत्र के कई स्कूलों में जरूरत से ज्यादा शिक्षक बैठे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि अक्सर कोई न कोई शिक्षक मीटिंग या अन्य सरकारी काम व छुट्टी के चलते स्कूल नहीं आते हैं। जिसके चलते कक्षाएं खाली ही रहती हैं।

कम्प्यूटर भी उठा ले गया शिक्षा विभाग

यहां संचालित सरकारी अपर प्राइमरी स्कूल की हालत भी कुछ ठीक नहीं है। यहां करीब 157 बच्चों के दाखिले लिए गए हैं। यहां बच्चों के पढ़ने के लिए कम्प्यूटर हुआ करता था। लेकिन, अब कम्प्यूटर रूम में सिर्फ कबाड़ भरा हुआ है। अपर प्राइमरी स्कूल की इंचार्ज वन्दना तिवारी का कहना है कि करीब दो माह पहले स्कूल में चोरी हो गई थी। कमरे से पंखे सहित अन्य सामान गायब हो गए थे। जिसके बाद कम्प्यूटर यहां से हटाकर शिक्षा विभाग भेजवा दिया गया।

इन स्कूलों में तो बच्चे नहीं सिर्फ टीचर हैं

एक ओर सरकारी प्राइमरी स्कूल लाजपतनगर सरीखे कई विद्यालय बिना शिक्षकों के खत्म हो रहे हैं। वहीं, कई अन्य विद्यालयों में बच्चे न होने के बाद भी शिक्षक तैनात किए गए हैं। प्राइमरी स्कूल आलमबाग में 35-40 बच्चों पर तीन शिक्षक तैनात किए गए हैं। इसके अलावा, अपर प्राइमरी स्कूल उदयगंज में बच्चों की संख्या बेहद कम होने के बाद भी तीन शिक्षक तैनात किए गए हैं।

दैनिक जागरण 11 JAN 2019

बच्चों से कराई पुट्टी, शिक्षिका निलंबित

वायरल वीडियो से बच्चों द्वारा कार्य कराए जाने की पुष्टि, धनराशि के दुरुपयोग के आरोप, जांच के आदेश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : राजधानी की एक शिक्षिका द्वारा स्कूली बच्चों से काम कराना भारी पड़ गया। वह पढ़ाई के बजाए दीवारों पर पुट्टी लगवा रही थीं, साथ ही पीछे छड़ी लेकर भी खड़ी थीं। इसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया गया। ऐसे में बीएसए ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर जांच के आदेश दिए हैं।

बीएसए डॉ. अमरकांत के मुताबिक प्राथमिक विद्यालय गाजीपुर-बलराम का एक वीडियो वायरल हुआ। इसमें शिक्षिका मंजूश्री छड़ी लेकर खड़ी हैं। वहीं बच्चे दीवार पर पुट्टी कर रहे हैं। यह आरटीइ एक्ट की धाराओं के विपरीत है। ग्राम शिक्षा समिति के

महीनों से गायब शिक्षक

गाजीपुर बलराम प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका अर्चना चौधरी को नोटिस जारी की गई है। वह 23 जुलाई से चिकित्सीय अवकाश का प्रार्थनापत्र देकर गायब हैं। गैर हाजिर अनुदेशक सुमित पाल को भी नोटिस जारी की गई।

चिनहट इंद्रा देवी को जांच कर 15 जनवरी तक रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं।

मां समूह का लगाएं बोर्ड

स्कूलों के शिक्षकों को मां समूह का बोर्ड लगाने का निर्देश दिया गया। ताकि समूह में शामिल महिलाओं की जानकारी ग्रामीणों को हो सके। वहीं महिलाएं भी खुद का अधिकार समझें और स्कूल में मिड-डे-मील और शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी कर सकें। इसका ब्योरा वेबसाइट पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

विद्यालयों को नोटिस जारी की गई थी। इनके प्रकरण की सुनवाई गुरुवार को होनी थी।